आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 138 | उज्जैन, शुक्रवार 11 अप्रैल 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

सम्राट विक्रमादित्य की यशोगाथा से परिचित होगी दिल्ली-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विक्रमादित्य की शोभा यात्रा और महानाट्य महामंचन का होगा आयोजन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा 'विक्रमोत्सव 2025' के अंतर्गत देश और प्रदेश की सभी पीढ़ियों को सम्राट विक्रमादित्य के जीवन चरित्र, विशेषकर उनके पराक्रम, शौर्य, दानशीलता, न्यायप्रियता और सुशासन से अवगत कराया जा रहा है। इसी श्रृंखला में दिल्ली में 12 से 14 अप्रैल 2025 तक लाल किला मैदान के माधव दास पार्क में सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का भव्य मंचन किया जाएगा। इसके पहले शुक्रवार 11 अप्रैल को दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में फतेहपुरी, चांदनी चौक से लाल किला तक सम्राट विक्रमादित्य की शोभा यात्रा

निकाली जाएगी।

महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा आयोजित इस महानाट्य में प्रस्तुति उज्जैन की विशाला सांस्कृतिक एवं लोकहित समिति द्वारा दी जाएगी। महानाट्य का लेखन पद्मश्री डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित और निर्देशन श्री संजीव मालवीय का है। महानाट्य में विक्रमादित्य के जन्म से लेकर सम्राट बनने तक की गाथाएं लगभग 250 कलाकारों द्वारा प्रदर्शित की जाएंगी। महानाट्य के दृश्यों को सजीव बनाने के लिए पालकी, रथ, घोड़ों और एलईडी ग्राफिक्स के स्पेशल इफेक्ट का प्रयोग किया जाएगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से राज्य सरकार 'विरासत से विकास' के ध्येय वाक्य पर काम कर रही है। इसी क्रम में अतीत के गौरवशाली नायकों के जीवन के अलग-अलग पहलुओं को जनता के सामने लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। विक्रम संवत के प्रवर्तक सम्राट विक्रमादित्य का शासन काल भारतीय साहित्य, ज्योतिष, आयुर्वेद, गणित और चिकित्सा विज्ञान का स्वर्णिम युग भी रहा है, जिसे सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य के माध्यम से जीवंत कर जनता के बीच प्रस्तुत किया जाएगा।

कार्यक्रम में महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा 'विक्रमादित्यकालीन मुद्रा और मुद्रांक' की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। भारतीय ऋषि वैज्ञानिक परंपरा पर केंद्रित 'आर्ष भारत' प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें 100 से अधिक ऋषियों के जीवन और योगदान को प्रदर्शित किया जाएगा।

सरकारी विभागों में इलेक्ट्रिक वाहनों का हो उपयोग, प्रदूषण में कमी लाने के लिए सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने प्रदूषण में कमी लाने के लिए सरकारी विभागों को इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को अपनाने के संबंध में केंद्र सरकार को 30 अप्रैल तक एक प्रस्ताव पेश करने को कहा है।

जस्टिस अभय एस.ओका और उज्जल भुयन की खंडपीठ ने बुधवार को एडीशनल सॉलीसिटर जनरल ऐश्वर्य भाटी को अप्रैल तक इस संबंध में प्रस्ताव पेश करने को कहा है।

सुनवाई के दौरान भाटी ने बताया कि फिलहाल दिल्ली में 60 लाख वाहनों की वैध आयु पूरी हो चुकी है जबकि एनसीआर में वैध वाहनों के दायरे से बाहर जा चुके सड़क पर चलने वाले वाहनों की तादाद करीब 25 लाख पहुंच चुकी है।

दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में अवैध वाहनों की आवाजाही काफी ज्यादा- इस पर खंडपीठ ने कहा कि एएसजी ने दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में अवैध वाहनों की बड़ी तादाद बताई है। हम वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर विचार करने के दौरान इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी करेंगे।

सर्वोच्च अदालत ने केंद्र को इसके आगे निर्देशित किया है कि वह रिमोट सेंसिंग तकनीक के इस्तेमाल को लेकर तीन महीने में अपना अध्ययन पूरा करें।

कांग्रेस सरकार में हमेशा मारे जाते हैं हिंदू कार्यकर्ता, कर्नाटक के नेता प्रतिपक्ष का सीएम सिद्दरमैया पर बड़ा हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने बुधवार को दावा किया कि जब भी कांग्रेस राज्य की सत्ता में आती है तो हमेशा हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता मारे जाते हैं।

जिनकी हत्या हुई उनके नाम बताए- जनाक्रोश यात्रा को संबोधित करते हुए अशोक ने कहा कि आरएसएस के राजू, राजेश कोटियन, प्रवीण पुजारी, चरण पुजारी, विश्वनाथ - ये कुछ हिंदू कार्यकर्ता हैं जिनकी हत्या पीएफआई व सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया जैसे मुस्लिम संगठनों ने की है।

अशोक ने कहा कि कोडागू के विनय सोमैया का इतना उत्पीड़न किया गया कि उसने आत्महत्या कर ली। कोडागू में ही पिछली टीपू जयंती के दौरान बुजुर्ग व्यक्ति कुट्टप्पा की हत्या कर दी गई थी। कांग्रेस सरकार हिंदुओं को विभाजित करने की कोशिश कर रही है।

आगे बोले कि मुस्लिमों को सरकारी ठेकों में आरक्षण दिया गया है। अगर मुख्यमंत्री सिद्दरमैया सत्ता में बने रहे तो वह कर्नाटक को पाकिस्तान को सौंप देंगे।

मणिपुर में अनाथ आश्रम पर गोलीबारी, स्थानीय लोगों ने किया विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले के सागोलबंद क्षेत्र में एक अनाथ आश्रम पर अज्ञात बदमाशों द्वारा की गई गोलीबारी के विरोध में स्थानीय लोगों ने बुधवार को धरना प्रदर्शन किया।

अपराधियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां लेकर गोलीबारी की निंदा करते हुए नारे लगाए तथा अपराधियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस ने बताया कि कम से कम दो हथियारबंद बदमाशों ने रात करीब एक बजकर 40 मिनट पर एक आश्रम पर छह राउंड गोलियां चलाईं जहां अनाथ बच्चे रह रहे थे।

बाल गृह पर गोलीबारी की गई- बाल अनाथ आश्रम चलाने वाली खाइदेन ओंगबी रोमिता ने कहा कि यह वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है कि बाल गृह पर गोलीबारी की गई। गोलीबारी का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। हम अपील करते हैं कि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न होने दी जाएं। बाल आश्रम में कई अनाथ बच्चे हैं।

दो उग्रवादियों समेत तीन लोग गिरफ्तार - इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व और कांगपोकपी जिलों से सुरक्षा बलों ने जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल दो उग्रवादियों सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि प्रतिबंधित केसीपी के एक सदस्य को इंफाल पश्चिम जिले के लोइतांग खुल्लेन इलाके से गिरफ्तार किया गया।

निर्यातकों को जल्द मिल सकती है राहत, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कारोबारियों को दिया आश्वासन

नई दिल्ली (एजेंसी)। गत दो अप्रैल को अमेरिका की तरफ से भारत पर 26 प्रतिशत का पारस्परिक शुल्क लगाने के बाद बुधवार को सरकार पहली बार निर्यातकों से मुखातिब हुई।

सरकार ने अमेरिकी शुल्क में राहत मिलने का भरोसा दिया- सूत्रों के मुताबिक सरकार ने निर्यातकों को जल्द ही अमेरिकी शुल्क में राहत मिलने का भरोसा दिया है। अमेरिकी शुल्क में राहत के लिए कई दिशा में काम चल रहा है। इनमें अमेरिकी वस्तुओं पर शुल्क घटाने से लेकर द्विपक्षीय व्यापार समझौता (बीटीए) के पहले चरण को जल्द से जल्द पूरा करना शामिल है।

बुधवार को वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने फेडरेशन आफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गनाइजेशन (फियो) एवं विभिन्न सेक्टर के एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के साथ पारस्परिक शुल्क के बाद व्यापार की हालत पर घंटों चर्चा की।

बीटीए होने से पारस्परिक शुल्क का कोई मतलब नहीं रह जाएगा - सूत्रों के मुताबिक मंत्रालय ने निर्यातकों से कहा कि सरकार पारस्परिक शुल्क के असर को लेकर पूरी तरह से गंभीर है और जल्द ही इसका समाधान निकाल लिया जाएगा। यह भी कोशिश है कि अगले एक-दो माह में अमेरिका के साथ बीटीए कर लिया जाए। बीटीए होने से पारस्परिक शुल्क का कोई मतलब नहीं रह जाएगा।

मंत्रालय ने निर्यातकों से यह भी कहा है कि वे चीन व बांग्लादेश से सामान लाकर उसे निर्यात करने की कोशिश नहीं करें। सरकार इस पर सख्त नजर रख रही है।

रायचूर में एक परिवार के पांच सदस्यों की हत्या मामले में तीन को मौत की सजा, नौ को आजीवन कारावास

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक की एक अदालत ने रायचूर में ऑनर किलिंग मामले में तीन लोगों को मौत की सजा सुनाई है और नौ अन्य को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। हमले में एक परिवार के पांच सदस्यों की नृशंस हत्या कर दी गई थी।

11 जुलाई 2020 में हुई थी हत्या- हत्याएं 11 जुलाई 2020 को सिंधनूर में हुईं थी। मौनेश के माता-पिता, भाई-बहनों की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। यह हमला मौनेश के आवास पर ससुराल वालों और उसके परिवार के बीच टकराव के बाद हुआ था।

बिम्सटेक देशों को कृषि तकनीक सहयोग देगा भारत, शिवराज सिंह बोले- हमारे लिए पड़ोसी देश पहले

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने बिम्सटेक देशों के बीच कृषि तकनीक सहयोग को अत्यधिक सशक्त बनाने पर जोर दिया है। इसके लिए नई दिल्ली में उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की जाएगी, जो ड्रोन, डिजिटल प्रौद्योगिकी ज्ञान एवं कौशल साझा करने के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा। साथ ही कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों की विभिन्न समस्याओं का समय पर हल निकालने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने काठमांडू में बुधवार को बिम्सटेक देशों की बैठक में कहा कि भारत की प्राथमिकताओं में पड़ोसी देश पहले हैं। परस्पर सहयोग से खाद्य सुरक्षा, पोषण एवं आजीविका सुरक्षा को सुनिश्चित किया जाएगा। खेती में जलवायु परिवर्तन के जोखिम को कम करने, प्राकृतिक खेती, लैंगिक समानता एवं कृत्रिम मेधा पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

बिम्सटेक में ये देश हैं शामिल- बिम्सटेक में बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका एवं थाइलैंड सदस्य देश हैं, जो दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया का प्रतिनिधित्व करते हैं।चौहान ने कहा कि भारत ने बीज विकास, पशु स्वास्थ्य और कीट प्रबंधन में प्रशिक्षण एवं कार्यशाला के जरिए कृषि सहयोग की पहल की है।

कृषि मंत्री कही ये बात- कृषि मंत्री ने सदस्य देशों से बिम्सटेक की कार्ययोजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने का आग्रह किया और कहा कि खाद्य सुरक्षा, जलवायु अनुकूलन और टिकाऊ कृषि पर जोर होना चाहिए। उन्होंने 1-4 मई के बीच मुंबई में प्रस्तावित विश्व ऑडियो विजुअल मनोरंजन सम्मेलन में भाग लेने के लिए सदस्य देशों से आग्रह किया।

बिम्सटेक के सदस्य देशों के छात्रों को भारत में एमएससी और पीएचडी करने के लिए छात्रवृत्ति दी जाती है, जो कृषि क्षेत्र में क्षमता निर्माण को बढ़ाने की दिशा में हमारे सामूहिक प्रयासों का उदाहरण है।

शिवराज चौहान ने कहा कि भारत में किसानों को सशक्त बनाने के लिए डिजिटल तकनीकों का उपयोग करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा। पर्यावरण संरक्षण एवं मिट्टी की सेहत पर फोकस करते हुए जैविक एवं प्राकृतिक खेती को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

ओपनएआई और एलन मस्क के बीच कानूनी जंग तेज, सैम ऑल्टमैन ने Tesla सीईओ पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओपनएआई और इसके सह-संस्थापक एलन मस्क के बीच चल रही कानूनी लड़ाई अब और भी गर्म होती जा रही है।

बुधवार को अदालत में दाखिल जवाबी याचिका में ओपनएआई और इसके सीईओ सैम ऑल्टमैन ने मस्क पर उत्पीड़न और बदनाम करने का आरोप लगाया। ओपनएआई ने अदालत से मस्क की गैरकानूनी और अनुचित गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग की है।

क्या है मामला- मस्क और ऑल्टमैन ने 2015 में ओपनएआई की शुरुआत की थी, लेकिन मस्क कंपनी के उभरते सितारे बनने से पहले ही अलग हो गए थे।

2023 में मस्क ने खुद की एआई कंपनी xAI शुरू की।

मस्क का आरोप है कि ओपनएआई ने अपनी मूल मानवता-सेवा की सोच को छोड़कर मुनाफा कमाने वाला मॉडल अपनाया है।

ओपनएआई का पलटवार - ओपनएआई ने कोर्ट में कहा कि मस्क बार-बार सोशल मीडिया और अन्य तरीकों से कंपनी को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। उनके पास 200 मिलियन से ज़्यादा फॉलोअर्स हैं और वे ओपनएआई को बदनाम करने के लिए इस ताकत का इस्तेमाल कर रहे हैं। ओपनएआई ने मस्क के बारे में क्या कहा?

सोशल मीडिया पर झूठे आरोप लगाए, कानूनी दबाव बनाया, कंपनी के रिकॉर्ड की मांग की, यहां तक कि ओपन एआई को खरीदने की कोशिश की, ओपनएआई ने कहा कि मस्क के इन प्रयासों से कंपनी की साख, मिशन और आगे की योजनाओं को नुकसान हो रहा है।

मस्क का जवाब- मस्क के वकील ने कहा कि उन्होंने ओपन एआई को 97.4 बिलियन में खरीदने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन उसे गंभीरता से नहीं लिया गया। उन्होंने कहा, अगर बोर्ड ने निष्पक्षता से इस प्रस्ताव पर विचार किया होता, तो उन्हें इसकी गंभीरता का एहसास होता।

कौन है अनुराग बाजपेयी? न्यूयॉर्क में सेक्स कांड में फंसा भारतीय मूल का सीईओ, पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में रहने वाले भारतीय मूल के और क्लीन वॉटर स्टार्टअप ग्रेडिएंट के सीईओ अनुराग बाजपेयी को एक गंभीर मामले में हिरासत में लिया गया है।

न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, उन पर उच्च वर्ग के देह व्यापार से जुड़ी सेवाओं के लिए भुगतान करने का आरोप है। यह मामला साल 2025 की शुरुआत का है और इसमें कई प्रभावशाली लोग शामिल हैं।

क्या है पूरा मामला- बोस्टन क्षेत्र की कोर्ट दस्तावेज़ों में दावा किया गया है कि बाजपेयी उन खास ग्राहकों के ग्रुप का हिस्सा थे जिसमें डॉक्टर, वकील, सरकारी अधिकारी और संविदा पर कार्य करने वाले लोग शामिल थे।

आरोप है कि इन लोगों ने सेक्स सेवाओं के लिए 600 डॉलर प्रति घंटा तक का भुगतान किया। यह भी कहा गया है कि ये महिलाएं, जिनमें से ज्यादातर एशियाई थीं कथित रूप से मानव तस्करी का शिकार थीं।

हालांकि कंपनी ग्रेडिएंट ने बाजपेयी पर लगे आरोपों के बावजूद उनके समर्थन में बयान जारी किया है। कंपनी ने कहा, ÷हमें न्याय प्रणाली पर पूरा भरोसा है और हमें विश्वास है कि यह मामला उचित ढंग से हल होगा। इसके बावजूद, ग्रेडिएंट अपनी तकनीकी नवाचार की राह पर कायम रहेगा और स्वच्छ जल की उपलब्धता के अपने मिशन को जारी रखेगा।

चीन पर 125% का टैरिफ, भारत समेत इन देशों को 90 दिन की मोहलत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को एक बड़ा ऐलान करते हुए 90 दिनों के लिए दुनिया के ज्यादातर देशों पर लगाए गए आयात शुल्क (टैरिफ) को रोकने की घोषणा की है। हालांकि यह राहत चीन को नहीं दी गई है, जिस पर ट्रंप ने तुरंत प्रभाव से 125त्र का भारी शुल्क लगाने का आदेश दिया है। यह फैसला अचानक लिया गया है, जिससे दुनियाभर के बाजारों में हलचल मच गई। भारत समेत 75 देशों को मिली राहत

ट्रंप ने कहा कि 75 से ज्यादा देशों ने अमेरिका के साथ व्यापारिक मामलों में बातचीत की और पलटवार नहीं किया, इसीलिए उन्हें 90 दिनों के लिए टैरिफ से राहत दी गई है। इस दौरान एक सीमित 'रेसिप्रोकल टैरिफ' लागू होगा, जिसकी दर सिर्फ 10% होगी। हालांकि चीन पर उन्होंने सख्त रवैया अपनाते हुए टैरिफ को 104त्र से बढ़ाकर 125त्र कर दिया। ट्रंप ने कहा कि चीन ने विश्व बाजार का सम्मान नहीं किया, इसलिए अमेरिका को कठोर कदम उठाने पड़े। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, चीन ने अमेरिका और बाकी दुनिया का जितना शोषण किया है, अब वह समय खत्म हो गया है।

नाइटक्लब की छत गिरने से अब तक 184 लोगों की मौत, शवों की पहचान करना हुआ मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोमिनिकन गणराज्य की राजधानी सांतो डोमिंगो में एक प्रसिद्ध नाइटक्लब की छत गिरने से अब तक 184 लोगों की मौत हो चुकी है और 200 से अधिक लोग घायल हो गए हैं।

यह हादसा मंगलवार को हुआ था, जब क्लब में लोग म्यूजिक के साथ डांस कर रहे थे। कई लोग अभी भी लापता हैं और उनके परिवारों के सदस्य शवों की पहचान करने के लिए श्मशानगृह के बाहर इंतजार कर रहे हैं।

विक्टिम्स और प्रभावित लोग- हादसे में मारे गए लोगों में कई मशहूर शख्सियतें भी शामिल हैं, जैसे मेरेन्गे गायक रुबी पेरेज़ और पूर्व स्ब्क पिचर ओक्टेवियो डोटेल।

सरकारी अधिकारियों ने शवों की पहचान के लिए श्मशानगृह में नाम पढ़ने की प्रक्रिया शुरू की है। कई परिवारों ने अपने रिश्तेदारों को ढूंढने के लिए अस्पतालों का दौरा किया, लेकिन कई लाशें अब तक पहचान में नहीं आई हैं।

मैं पहले भी यह फैसला ले सकती थी, बराक ओबामा से तलाक की खबरों पर मिशेल ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला मिशेल ओबामा ने हाल ही में अपनी कम होती सार्वजनिक उपस्थिति और राजनीतिक आयोजनों से दूरी को लेकर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने साफ किया कि वह अब वो खुद पर और मानसिक शांति को प्राथमिकता दे रही हैं और अपने समय पर नियंत्रण रखने के लिए फैसले ले रही हैं।

तलाक की अफवाह झूठी - मिशेल ओबामा ने एक पॉडकास्ट में अभिनेत्री सोफिया बुश से बात करते हुए उन अफवाहों को भी खारिज किया, जिनमें कहा जा रहा था कि वह और बराक ओबामा तलाक लेने जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि व्हाइट हाउस छोड़ने के आठ साल बाद, अब उनकी बेटियां भी बड़ी हो गई हैं और वह अपने जीवन के लक्ष्यों पर दोबारा ध्यान दे पा रही हैं। उन्होंने कहा, ÷मैं पहले भी ये फैसले ले सकती थी, लेकिन मैंने खुद को वो आज़ादी नहीं दी÷।

अब खुद को प्राथमिकता दे रही हैं- मिशेल ओबामा ने बताया कि उन्होंने कुछ सार्वजनिक जिम्मेदारियों से खुद को अलग करना जानबूझकर चुना, क्योंकि अब वह अपने मन और शरीर की ज़रूरतों को समझ रही हैं। उन्होंने कहा कि कई बार महिलाएं दूसरों को निराश करने के डर से खुद को पीछे रख देती हैं।

सार्वजनिक उपस्थिति कम होने की बात पर उन्होंने कहा, लोग ये समझ ही नहीं पा रहे थे कि मैंने खुद के लिए कोई फैसला किया है, इसलिए उन्हें लगा कि मेरा तलाक हो रहा है।

अमेरिका जाना अब आसान नहीं! सोशल मीडिया पर संभलकर करें पोस्ट, नई नीति से रद हो सकता है वीजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब जो लोग अमेरिका जाना चाहते हैं, उनके लिए वहां जाना पहले की तरह आसान नहीं रहा। भले ही आपके पास वैध अमेरिकी वीजा या ग्रीन कार्ड हो, फिर भी आपको ट्रंप प्रशासन की नई आव्रजन नीतियों के तहत अमेरिकी हवाई अड्डों पर हिरासत, निर्वासन या डिवाइस तलाशी का सामना करना पड़ सकता है।

अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) जो कि होमलैंड सुरक्षा विभाग की एक एजेंसी है ने कहा कि इजरायल, उसके नागरिकों या यहूदी समुदाय की आलोचना करने वाली पोस्ट शेयर करने पर भी अमेरिकी वीजा या निवास परमिट नहीं मिलेगा।

ऐसे लोगों को नहीं मिलेगा वीजा- अमेरिकी आव्रजन अधिकारियों ने कहा है कि वो अब सोशल मीडिया गतिविधि की जांच करेंगे और ऐसे लोगों को वीजा या निवास देने से इनकार कर देंगे। यह नीति तुरंत प्रभावी होगी और छात्र वीजा और अमेरिका में रहने के लिए स्थायी निवासी ग्रीन कार्ड के अनुरोधों पर लागू होगी।

USCIS के अनुसार, हमास, फलस्तीनी इस्लामिक जिहाद, लेबनान में हिजबुल्लाह और यमन में हूतियों का समर्थन करने वाली पोस्ट को यहूदी विरोधी सामग्री के रूप में देखा जाएगा। वीजा आवेदन प्रक्रिया के दौरान इसे एक नकारात्मक कारक माना जाएगा।

2030 तक आ सकता है इंसानों जैसा एआई, गूगल डीपमाइंड ने मानवता के खात्मे की दी चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भविष्य में इंसानों जैसी सोचने-समझने वाली आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस (त्नढ्ढ) विकसित हो सकती है और यह इंसानियत के लिए स्थायी खतरा भी बन सकती है।

यह बात गूगल की एआई (ढ्ढ) रिसर्च यूनिट डीपमाइंड (ष्ठद्गद्गश्चरूद्बठ्ठस्त्र) के नए रिसर्च पेपर में कही गई है। रिसर्च में दावा किया गया है कि एजीआई साल 2030 तक विकसित हो सकती है, और यदि इसे सही तरीके से नियंत्रित नहीं किया गया तो यह मानव जाति को हमेशा के लिए समाप्त कर सकती है।

क्या है रिपोर्ट में- डीपमाइंड की रिपोर्ट में बताया गया है कि एजीआई का समाज पर भारी असर हो सकता है और इसके कारण गंभीर नुकसान या अस्तित्व का संकट खड़ा हो सकता है। हालांकि, यह रिपोर्ट यह नहीं बताती कि एजीआई कैसे मानवता का अंत करेगी, बल्कि यह एहतियाती उपायों और सुरक्षा रणनीतियों पर ध्यान देती है।

चार बड़े खतरे जिन्हें एजीआई से जोड़ा गया है

दुरुपयोग- गलत लोगों द्वारा ढ्ढ का गलत उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल।

विचारों में अंतर- एआई के उद्देश्यों का इंसानों से मेल न खाना।

गलतियां- सिस्टम की तकनीकी या नैतिक चूक।

संरचनात्मक खतरे- समाज के ढांचे पर प्रभाव।

डीपमाइंड का मानना है कि एजीआई के खतरे को नियंत्रित करने के लिए अभी से तैयारी जरूरी है, ताकि यह मानवता के लिए फायदेमंद साबित हो।

गर्मियों में रेल यात्रियों की समस्या खत्म, सेंट्रल रेलवे ने 332 समर स्पेशल ट्रेनों का किया एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। गर्मी की छुट्टियां शुरू होने वाली हैं। ऐसे में कुछ-कुछ दिनों के अंतराल पर रेलवे ने नई ट्रेनें चलाने का एलान किया है। सेंट्रल रेलवे ने रेलवे यात्रियों के लिए स्पेशल ट्रेन शुरू करने का फैसला लिया है। रेलवे ने 1 अप्रैल से 332 ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियां चला दी हैं। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

इसमें कहा गया कि गर्मी की छुट्टियों की शुरुआत और यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए सेंट्रल रेलवे ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए मुंबई-नागपुर/करमाली/तिरुवनंतपुरम, पुणे-नागपुर और दौंड-कलबुर्गी के बीच 332 ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियां चलाने का फैसला किया है।

1. CSMT नागपुर, CSMT बी 1 वीकली स्पेशल- ट्रेन संख्या 02139 साप्ताहिक विशेष ट्रेन 06.04.2025 से 29.06.2025 तक प्रत्येक मंगलवार और रविवार को 00.20 बजे सीएसएमटी से रवाना होगी और उसी दिन 15.30 बजे नागपुर पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 02140 साप्ताहिक विशेष ट्रेन 06.04.2025 से 29.06.2025 तक प्रत्येक मंगलवार और रविवार को 20.00 बजे नागपुर से रवाना होगी और अगले दिन 13.30 बजे सीएसएमटी पहुंचेगी (25 ट्रिप)

एक एसी-2 टियर, 5 एसी-3 टियर, 10 स्लीपर क्लास, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेक वैन।

हाल्ट- दादर (केवल 02139 के लिए), ठाणे, कल्याण, इगतपुरी (केवल 02140 के लिए), नासिक रोड, मनमाड, जलगांव, भुसावल, मलकापुर, शेगांव, अकोला, मुर्तिजापुर, बडनेरा, धामनगांव और वर्धा है।

बंगाल में ममता के सत्ता से हटने पर ही खत्म होगी घुसपैठ, अमित शाह ने दीदी पर जमकर बोला हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जब बंगाल के लोग मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सत्ता से बाहर करेंगे और राज्य में भाजपा की सरकार बनाएंगे तो अवैध घुसपैठ की समस्या हल हो जाएगी। ममता बनर्जी सभी को बताती रहती हैं कि बीएसएफ केंद्र सरकार के अधीन है। वही अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा करता है। इसलिए, घुसपैठ के लिए केंद्र को ही जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मेरा उनसे सवाल है कि ऐसे घुसपैठियों के मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड किसने बनाए। ये सभी मतदाता पहचान पत्र उत्तर 24 परगना जिले में बनाए गए हैं। उन्होंने उक्त बातें एक कार्यक्रम में शिरकत करने के दौरान कहीं। अमित शाह ने स्पष्ट किया कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव जदयू नेता और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। कहा कि विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए को घुसपैठियों में वोट बैंक दिखता है। गुलाम जम्मू-कश्मीर पर सरकार की रणनीति के बारे में पूछे जाने पर कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह हमारा ही है। दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायाधीश के घर से कथित तौर पर नकदी बरामद होने के मुद्दे पर शाह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने इस पर विचार करने के लिए एक समिति गठित की है।

सभी ने वोट बैंक की राजनीति की, लेकिन मोदी सरकार ने....वक्फ बिल के समर्थन में ऑल इंडिया मुस्लिम वुमेन पर्सनल लॉ बोर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन बिल के दोनों सदनों में पास होने के बाद से कई राजनेता इसके विरोध में आ गए हैं। इस बीच,ऑल इंडिया वुमेन मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की अध्यक्ष शाइस्ता अंबर ने वक्फ विधेयक 2025 का समर्थन किया है। उन्होंने कहा-हम इस बिल का स्वागत करते हैं।

ये मुस्लिम समाज, विशेषकर मुस्लिम महिलाओं के हितों की सुरक्षा करेगा। महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह विधेयक सिर्फ कानून में संशोधन नहीं है, बल्कि एक ऐतिहासिक कदम है।

वक्फ के नए कानून से समाज को लाभ मिलेगा। मुस्लिम महिलाओं की भागीदारी मजबूत होगी। अधिकारों, गरिमा और सम्मान को नई दिशा देने की शुरुआत है। सरकार ने कहा है वक्फ की जमीन पर जो कब्जे हैं, उसे हटाएगी।

वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ परिषद में मुस्लिम महिलाओं को शामिल करने की हम लोग लंबी लड़ाई लड़ रहे थे। इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा देवी सिंह पाटिल से मांग किया था।

महिलाओं को वक्फ बोर्ड के सदस्य और पदाधिकारी के रूप में जगह मिले। इन्हें सिर्फ नाम के लिए नहीं, बल्कि काम के लिए रखा जाए। महिलाओं की जिम्मेदारी और अधिकार क्षेत्र सुनिश्चित किया जाए।

प्रधानमंत्री का जताया आभार - शाइस्ता अम्बर ने कहा-आज तक किसी भी सरकार ने मुस्लिम समाज के लिए वास्तविक काम नहीं किया।

पाकिस्तान में आका, मुंबई में रेकी और समंदर पार करने की कहानी... 26/11 के गुनहगारों का आ गया अंत!

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2008 में मुंबई में हुए आतंकी हमलों ने पूरी देश को दहला दिया था। इन हमलों ने 3 दिन तक देश की आर्थिक राजधानी को बंधक बना दिया था। सुरक्षाबलों ने आतंकियों को मार गिराया, लेकिन कसाब जिंदा पकड़ा गया। वह इस हमले का एकमात्र जिंदा आतंकी था।

बाद में देश की न्यायिक प्रक्रिया ने कसाब को फांसी के फंदे तक पहुंचा दिया और 21 नवंबर 2012 को उसे फांसी दे दी गई। लेकिन हमले के कई आरोपियों को उनके अंजाम तक पहुंचाने के लिए एजेंसियां लगातार काम करती रहीं। तहव्वुर राणा इन्हीं में से एक है। आज उसे अमेरिका से प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया है। 26 नवंबर 2008 का दिन था। पाकिस्तान से 10 आतंकी हथियारों से लैस होकर समुद्र के रास्ते भारत की सीमा में दाखिल हुए। इन्होंने मछली पकड़ने वाली एक नाव को हाइजैक कर लिया और उसमें सवार क्रू मेंबर्स को मार डाला। इन आतंकियों को पाकिस्तान में फलने-फूलने वाले आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा ने ट्रेनिंग दी थी। भारत में दाखिल होने के बाद ये सभी आतंकी अलग-अलग रूप में बंट गए और फिर शहर में गोलीबारी शुरू कर दी।

आतंकियों का मकसद सिर्फ मुंबई ही नहीं, पूरे देशवासियों के मन में दहशत फैलाना था। उन्होंने ऐसी जगहों को टारगेट किया, जहां आम तौर पर सिक्योरिटी चेक न्यूनतम था और भीड़ अपार। आतंकियों के लिए सबसे सॉफ्ट टारगेट बना, छत्रपति शिवाजी टर्मिनल। यहां आतंकियों ने पहुंचते ही गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें कई लोगों की जान चली गई।

मुंबई के प्रसिद्ध ताज महल पैलेस और ओबरॉय होटल को भी आतंकियों ने निशाना बनाया और कई लोगों को बंधक बना लिया। यहूदी आउटरिच सेंटर नरीमन हाउस के अलावा टूरिस्ट के पसंदीदा स्पॉट लियोपोल्ड कैफे पर आतंकियों ने हमला किया और लोगों को बंधक बनाया।

चिकन नेक कॉरीडोर कौन-कौन से 7 राज्यों से जुड़ा, आखिर क्यों है चीन-बांग्लादेश की तिरछी नजर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस ने हाल ही में चीन का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने चीन से बांग्लादेश में अपना आर्थिक प्रभाव बढ़ाने की बात कही और भारतीय सरहद से करीब लालमोनिरहाट जिले में एयरबेस बनाने का प्रस्ताव दिया। यह इलाका भारत के सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) के बेहद करीब है, जिससे भारत की सुरक्षा चिंताएं बढ़ गई हैं। यूनुस के इस बयान ने भारत की टेंशन बढ़ा दी है। लालमोनिरहाट की स्थिति रणनीतिक दृष्टि से बेहद संवेदनशील है, क्योंकि यहीं से भारत का चिकन नेक कॉरिडोर होकर गुजरता है जो देश के मुख्य हिस्से को पूर्वोत्तर राज्यों से जोड़ता है।

भारत के लिए अहम है चिकन नेक- सिलीगुड़ी कॉरिडोर, जिसे चिकन नेक कहा जाता है और यह भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाला एकमात्र रास्ता है। यह इलाका सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। चिकन नेक क्षेत्र में भारतीय सेना, वायुसेना और सीमा सुरक्षा बल की मजबूत मौजूदगी है। इस इलाके में भारत की मिसाइलें, एडवांस रडार और अन्य सुरक्षा प्रणाली तैनात हैं जो भारत की पूर्वी सीमा को सुरक्षित रखने का कार्य करती हैं। इसके अलावा असम राइफल्स और बंगाल पुलिस में सीमाओं को संरक्षण करती है।

चिकन नेक के दक्षिण में बांग्लादेश और उत्तर में नेपाल, भूटान और चीन पड़ते हैं। यह कॉरिडोर 60 किमी लंबा और सिर्फ 21 किमी चौड़ा है। भारत की सुरक्षा में इस कॉरिडोर का सामरिक महत्व है। चिकन नेक कॉरिडोर ही पूर्वोत्तर राज्यों को देश के अन्य हिस्से से जोड़ता है। अधिक संकरा होने के कारण चीन, बांग्लादेश और पाकिस्तान की नजर हमेशा इस पर रही है। चिकन नेक को सिलीगुड़ी कॉरिडोर के नाम से भी जाना जाता है।

यूनुस का विवादित बयान- अपनी चीन यात्रा के दौरान मोहम्मद युनुस ने एक और बयान दिया जो भारत में विवाद का कारण बना। उन्होंने कहा कि भारत के सातों पूर्वोत्तर राज्य लैंडलॉक्ड हैं यानी समुद्र से कटे हुए हैं और उनका दुनिया से संपर्क बांग्लादेश के रास्ते ही संभव है।

तहव्वुर के भारत पहुंचने से पहले ही पाकिस्तान की सिट्टी-पिट्टी गुम, कहा- वो कनाडा का नागरिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने 2008 के मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा से दूरी बना ली है और कहा है कि वह स्पष्ट रूप से कनाडा का नागरिक है। तहव्वुर राणा को भारत लाया जा चुका है और थोड़ी देर में ही उसे राष्ट्रीय जांच एजेंसी अपनी हिरासत में लेगी।

राणा एक पाकिस्तानी-कनाडाई नागरिक है, जिसे अमेरिका में प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के लिए काम करने और समर्थन देने का दोषी ठहराया गया था। इसी संगठन ने 2008 के मुंबई हमले को अंजाम दिया था, जिसमें 174 से अधिक लोगों की मौत हुई थी।

पाकिस्तान ने तहव्वुर राणा से पल्ला झाड़ा- पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण पर कहा, तहव्वुर राणा ने दो दशकों से अपने पाकिस्तानी दस्तावेज रिन्यू नहीं कराए हैं। उसकी कनाडाई नागरिकता स्पष्ट है।

गौरतलब है कि पाकिस्तान कनाडा में बस चुके अपने नागरिकों को दोहरी नागरिकता की इजाजत देता है। अमेरिका के विदेश मंत्री ने 11 फरवरी को तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण का आदेश साइन किया था। इसके बाद राणा के वकील ने आदेश को चुनौती देने के लिए आपात स्थगन याचिका दायर की थी। लेकिन 7 अप्रैल को अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने राणा की याचिका खारिज कर दी, जिससे भारत को प्रत्यर्पण का रास्ता साफ हो गया।

भारत सरकार के गृह मंत्रालय के आदेश पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने 11 नवंबर, 2009 को नई दिल्ली के NIA पुलिस स्टेशन में केस RC-04/2009/NIA/DLI दर्ज किया था। यह केस भारतीय दंड संहिता की धारा 121A, गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की धारा 18 और सार्क आतंकवाद निरोधक अधिनियम की धारा 6(2) के तहत दर्ज किया गया था।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजेन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
हिन्दकुश मीडिया
jagrayam.com
online news magazine
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल चतुर्थदशी

संपादकीय

दुनियाँ भर की इकोनॉमीज में बडा बवाल मचा हुआ है

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के हर देश को ट्रंप के राष्ट्पति चुने जाने से किसी न किसी रूप में चाहे वह आर्थिक, अवैध नागरिकता समस्या, टैरिफ, अमेरिकी फर्स्ट इत्यादि अनेकों एक्शन से दुनियाँ में तहलका मचा हुआ है। अभी 7 अप्रैल 2025 कोई हमने दुनियाँ के शेयर बाजारों को लहुलुहान होते हुए देखें। दुनियाँ भर की इकोनॉमीज में बवाल मचा हुआ है। ट्रंप ने मैक्सिको और कनाडा को आश्चर्यजनक रूप से कुछ महीनो की छूटदेकर दुनियाँ को तो बहुत चौंका दिया परंतु चीन से टैरिफ वॉर छेड़ा है, वहीं 2 अप्रैल में वह भारत के खिलाफ भी टैरिफ लगा चुके हैं। इस बीच अमेरिका में आने वाले महीनों में मंदी की आशंका गहराती जा रही है। अगर इन दोनों का पेच ज्यादा गहराता है तो भारत के सबसे ज्यादा बढ़ने वाला बिजनेस पर गंभीर नकारात्मक असर पढ़ सकता है। परंतु मेरा मानना है कि इन सब एक्शन से हालांकि अनेकों देशों पर नेगेटिव असर होगा,तो अमेरिका भीइससे अछूता नहीं रहेगा क्योंकि वहां भी मंदी के बादल छाए हुए हैं। अमेरिका द्वारा टैरिफ़ बढ़ाने से एक बड़ा वर्ग बाधित होगा। अन्य देशों से आने वाली वस्तुओं पर टैक्स बोझ बढ़ने से महंगी हो जाएगी, जबकि घरेलू वस्तुएं ऑलरेडी ही महंगी है, तो सबसे पहले उसका उपयोग या उपभोग होगा, जिसका असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर जरुर पड़ेगा जो रेखांकित करने वाली बात है। दूसरी और हमनें देखें कि 7 अप्रैल 2025 को पूरे विश्व के शेयर बाजार लहुलुहान हुए, पर चीन ने रणनीतिक रूप से सरकारी कंपनियों बैंकों के माध्यम से शेयर मार्केट पर इतना असर नहीं पड़ने देने में कामयाब हुआ। आज यह मुद्दा हम इसलिए उठा रहे हैं, क्योंकि सोमवार को अमेरिकी विभाग द्वारा पुष्टि की यह 104 पर्सेंट टैरिफ मंगलवार (8 अप्रैल 2025) की आधी रात से लागू हो गया है इसके जवाब में उधर चीन ने भी 34 पेर्सेंट टैरिफ बढ़ाकर अब 84 पेर्सेंट कर दिया है जो 10 अप्रैल 2025 से लागू कर दिया गया है। भारत में खासकर आईटी क्षेत्र में इसका अधिक असर पड़ेगा, हालांकि अन्य क्षेत्रों में भी असर पड़ने की पूरी संभावना है, इसलिए भारत को चाहिए कि एक रणनीतिक व्यवस्था के तहत सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर निर्णय लेने की आवश्यकता है।भारत को अमेरिका से राजनीतिक संबंधों को मजबूत करने, अच्छे व्यापारिक संबंध बनाए रखनें, विवादों से बचने, विज़न 2047 को रेखांकित कर सटीक निर्णय लेने की आवश्यकता है।इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,टैरिफ वार - ट्रंप ने चीन पर 104 पर्सेंट टैरिफ ठोका- चीन ने यूएस से लड़ाई में भारत से मदद मांगी। दुनियाँ भर की अर्थव्यवस्था में उथल-पुथल मची - टैरिफ वार तमाम देशों के लिए मुसीबत बनीं।

साथियों बात अगर हम दुनियाँ भर में ट्रेडवार बढ़ने की आशंका की करें तो, अमेरिका के राष्ट्पति ने चीन से आयातित सामानों पर 104 पर्सेंट टैरिफ लगाकर अमेरिका-चीन ट्रेड वॉर को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। यह कदम चीन के 34 पर्सेंट जवाबी टैरिफ के बाद आया है,जिसे ट्रंप ने %अनुचित व्यापार प्रथाओं% का जवाब बताया इस टैरिफ से अमेरिकी उपभोक्ताओं पर महंगाई का बोझ बढ़ सकता है, कंपनियां संकट में आ सकती हैं, और वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी की चपेट में आ सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन को बड़ा झटका देते हुए 104 पर्सेंट अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा की है, यह टैरिफ़ मंगलवार आधी रात से प्रभावी हो गया है। जिसके बाद यूएस चाइना ट्रेड वॉर बढ़ गया है। 2 अप्रैल को अमेरिकी प्रेसिडेंट द्वारा टैरिफ़ की घोषणा करने के बाद चीन ने भी जवाबी 34 पर्सेंट टैरिफ लगाया था। इसके बाद ट्रंप ने चीन को धमकी दी थी कि वह यदि इस जवाबी टैरिफ को वापस नहीं लेते हैं तो उनके खिलाफ अतिरिक्त टैरिफ लगाया जाएगा। अब ट्रंप प्रशासन ने वैसा ही किया है जैसी उन्होंने धमकी दी थी।

ज्योतिराव फुले

ज्योतिराव फुले, जिन्हें ज्योतिबा फुले के नाम से भी जाना जाता है, महाराष्ट्र के एक भारतीय सामाजिक कार्यकर्ता, व्यवसायी, जाति-विरोधी समाज सुधारक और लेखक थे। उनका कार्य कई क्षेत्रों तक फैला हुआ था, जिसमें अस्पृश्यता और जाति व्यवस्था का उन्मूलन और महिलाओं और उत्पीड़ित जाति के लोगों को शिक्षित करने के उनके प्रयास शामिल थे। वह और उनकी पत्नी सावित्रीबाई फुले भारत में महिला शिक्षा के अग्रदूत थे। फुले ने 1848 में पुणे में तात्यासाहेब भिड़े के निवास या भिड़ेवाड़ा में लड़कियों के लिए अपना पहला स्कूल शुरू किया। उन्होंने अपने अनुयायियों के साथ मिलकर निचली जातियों के लोगों को समान अधिकार दिलाने के लिए सत्यशोधक समाज का गठन किया। सभी धर्मों और जातियों के लोग इस संघ का हिस्सा बन सकते थे जो उत्पीड़ित वर्गों के उत्थान के लिए काम करता था।

फुले को महाराष्ट्र में सामाजिक सुधार आंदोलन में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति माना जाता है। महात्मा (संस्कृत- महान आत्मा, आदरणीय) का सम्मान पहली बार 1888 में मुंबई में उनके सम्मान में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में दिया गया था ।

प्रारंभिक जीवन

ज्योतिराव फुले, जिन्हें ज्योतिबा फुले के नाम से भी जाना जाता है, का जन्म सतारा जिले में 1827 में एक परिवार में हुआ था जो हिंदू माली जाति से संबंधित था। माली पारंपरिक रूप से फल और सब्जी उगाने का काम करते थे। जाति पदानुक्रम की चतुर्भुज वर्ण व्यवस्था में, उन्हें शूद्र श्रेणी में रखा गया था। फुले का नाम हिंदू देवता ज्योतिबा के नाम पर रखा गया था। उनका जन्म ज्योतिबा के वार्षिक मेले के दिन हुआ था। फुले का परिवार , जिसका पहले नाम गोरहे था, की उत्पत्ति सतारा शहर के पास काटगुन गाँव में हुई थी। फुले के परदादा, जिन्होंने वहां चौगुला , या निम्न-श्रेणी के गाँव के अधिकारी के रूप में काम किया था, पुणे जिले के खानवाड़ी चले गए । तीन बेटों सहित परिवार रोजगार की तलाश में पूना चला गया। लड़कों को एक फूलवाले के संरक्षण में ले जाया गया, जिसने उन्हें व्यापार के रहस्य सिखाए। बढ़ने और सजाने में उनकी दक्षता अच्छी तरह से जानी गई और उन्होंने गोरहे के स्थान पर फुले (फूल-आदमी) नाम अपना लिया। शाही दरबार के अनुष्ठानों और समारोहों के लिए फूलों के गद्दे और अन्य सामान के लिए पेशवा , बाजी राव द्वितीय से मिले कमीशन की उनकी पूर्ति ने उन्हें इतना प्रभावित किया कि उन्होंने उन्हें इनाम प्रणाली के आधार पर 35 एकड़ (14 हेक्टेयर) ज़मीन दे दी , जिसके तहत इस पर कोई कर देय नहीं होगा। सबसे बड़े भाई ने संपत्ति का एकमात्र नियंत्रण लेने की साजिश रची, जिससे छोटे दो भाई-बहन, ज्योतिराव फुले के पिता गोविंदराव

गोविंदराव ने चिमनाबाई से विवाह किया और उनके दो बेटे हुए, जिनमें ज्योतिराव सबसे छोटे थे। एक वर्ष की आयु से पहले ही चिमनाबाई की मृत्यु हो गई। तत्कालीन पिछड़े माली समुदाय ने शिक्षा को अधिक महत्व नहीं दिया और इस प्रकार प्राथमिक विद्यालय में जाने के बाद जहाँ उन्होंने पढ़ने, लिखने और अंकगणित की मूल बातें सीखीं, ज्योतिराव को उनके पिता ने स्कूल से निकाल दिया। वह अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ दुकान और खेत दोनों में काम करने लगे। हालांकि, फुले के समान माली जाति के एक व्यक्ति ने उनकी बुद्धिमत्ता को पहचाना और फुले के पिता को उन्हें स्थानीय स्कॉटिश मिशन हाई स्कूल में जाने की अनुमति देने के लिए राजी किया। फुले ने 1847 में अपनी अंग्रेजी स्कूली शिक्षा पूरी की। जैसा कि प्रथा थी, उनकी शादी 13 साल की छोटी उम्र में उनके माली समुदाय की एक लड़की से कर दी गई, जिसे उनके पिता ने चुना था।

उनके जीवन में महत्वपूर्ण मोड़ 1848 में आया, जब वे एक ब्राह्मण मित्र की शादी में शामिल हुए। फुले ने पारंपरिक विवाह जुलूस में भाग लिया, लेकिन बाद में ऐसा करने के लिए उनके मित्र के माता-पिता ने उन्हें डांटा और अपमानित किया। उन्होंने उनसे कहा कि शूद्र जाति से होने के कारण उन्हें उस समारोह से दूर रहना चाहिए था। इस घटना ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया और जाति व्यवस्था में निहित अन्याय के बारे में उनकी समझ को आकार दिया।

सामाजिक सक्रियता

शिक्षा- 1848 में, 21 वर्ष की आयु में, फुले ने ईसाई मिशनरी सिंथिया फरार द्वारा अहमदनगर में संचालित एक लड़कियों के स्कूल का दौरा किया। यह 1848 में ही था कि उन्होंने थॉमस पेन की पुस्तक राइट्स ऑफ मैन पढ़ी और सामाजिक न्याय की गहरी समझ विकसित की। उन्होंने महसूस किया कि शोषित जातियां और महिलाएं भारतीय समाज में नुकसान में थीं, और यह भी कि इन वर्गों की शिक्षा उनकी मुक्ति के लिए महत्वपूर्ण थी। इस उद्देश्य से और उसी वर्ष, फुले ने सबसे पहले अपनी पत्नी सावित्रीबाई को पढ़ना और लिखना सिखाया और फिर इस जोड़े ने पुणे में लड़कियों के लिए पहला स्वदेशी तौर पर संचालित स्कूल शुरू किया। उन्होंने अपनी बहन सगुणाबाई क्षीरसागर (अपनी मौसी की बेटी) को भी सावित्रीबाई के साथ मराठी लिखना सिखाया। पुणे के रूढ़िवादी उच्च जाति समाज ने पुणे में रूढ़िवादियों ने उनके अपने परिवार और समुदाय को भी उन्हें बहिष्कृत करने के लिए मजबूर किया। इस अवधि के दौरान, उनके दोस्त उस्मान शेख और उनकी बहन फातिमा शेख ने उन्हें आश्रय प्रदान किया। उन्होंने अपने परिसर में स्कूल शुरू करने में भी मदद की। बाद में, फुले ने महार और मांग जैसी तत्कालीन अछूत जातियों के बच्चों के लिए स्कूल शुरू किए। 1852 में, तीन फुले स्कूल चल रहे थे, इन स्कूलों में 273 लड़कियाँ शिक्षा प्राप्त कर रही थीं, लेकिन 1858 तक वे सभी बंद हो गए। एलेनोर ज़ेलियट ने 1857 के विद्रोह के कारण निजी यूरोपीय दान के सूखने , सरकारी समर्थन वापस लेने और पाठ्यक्रम के बारे में असहमति के कारण ज्योतिराव द्वारा स्कूल प्रबंधन समिति से इस्तीफा देने को बंद होने का दोषी ठहराया।

महिला कल्याण- फुले ने देखा कि कैसे अछूतों को अपनी छाया से किसी को अपवित्र करने की अनुमति नहीं थी और उन्हें जिस रास्ते से गुजरे थे उसे साफ करने के लिए अपनी पीठ पर झाड़ू बांधनी पड़ी। [उद्धरण आवश्यक] उन्होंने देखा कि कैसे अछूत महिलाओं को नग्न होकर नाचने के लिए मजबूर किया गया था। [उद्धरण आवश्यक] उन्होंने युवा विधवाओं को अपने सिर मुंडवाते और अपने जीवन में किसी भी तरह की खुशी से परहेज करते देखा। उन्होंने असमानता को बढ़ावा देने वाली इन सभी सामाजिक बुराइयों को देखकर महिलाओं को शिक्षित करने का निर्णय लिया। उन्होंने अपनी पत्नी से शुरुआत की, हर दोपहर, ज्योतिराव अपनी पत्नी सावित्रीबाई फुले के साथ बैठते थे और जब वह उनके खेतों में जाती थीं, जहां वह काम करते थे, तो उन्हें भोजन लाने के लिए शिक्षित करते थे। उन्होंने अपनी पत्नी को एक स्कूल में प्रशिक्षण लेने के लिए भेजा। पति-पत्नी ने 1848 में पुणे के विश्रामबाग वाडा में भारत का पहला लड़कियों का स्कूल स्थापित किया।

उन्होंने विधवा पुनर्विवाह का समर्थन किया और 1863 में एक सुरक्षित स्थान पर जन्म देने के लिए उच्च जाति की गर्भवती विधवाओं के लिए एक घर शुरू किया। उनका अनाथालय शिशु हत्या की दर को कम करने के प्रयास में स्थापित किया गया था। 1863 में पुणे में एक भयावह घटना हुई। काशीबाई नाम की एक ब्राह्मण विधवा गर्भवती हो गई और गर्भपात के उसके प्रयास सफल नहीं हुए। उसने बच्चे को जन्म देने के बाद उसे मार डाला और कुएं में फेंक दिया।

लेकिन उसका कृत्य प्रकाश में आ गया। उसे सजा भुगतनी पड़ी और उसे जेल की सजा सुनाई गई। इस घटना ने फुले को बहुत दुखी किया और इसलिए, अपने पुराने मित्र सदाशिव बल्लाल गोवंडे और सावित्रीबाई के साथ मिलकर उन्होंने शिशुहत्या रोकथाम केंद्र की शुरुआत की।

केंद्र का विज्ञापन करते हुए पुणे के चारों ओर पर्चे चिपकाए गए थे- विधवाओं, यहाँ आओ और अपने बच्चे को सुरक्षित और गुप्त रूप से जन्म दो। यह आपके विवेक पर निर्भर करता है कि आप बच्चे को केंद्र में रखना चाहती हैं या अपने साथ ले जाना चाहती हैं।

बाजार के उतार-चढ़ाव से है परेशान, इन स्कीम में करें निवेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक अच्छा पोर्टफोलियों उसे माना जाता है. जिनमें सुरक्षित और असुरक्षित दोनों ही तरह के प्लेटफॉर्म शामिल है। पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाई कर, आप जोखिम कम से कम कर सकते हैं। आजकल ट्रंप टैरिफ के खौफ से भारत सहित विदेशी शेयर बाजारों में उथल-पुथल मची हुई है।

इस बीच कल यानी बुधवार को ट्रंप ने टैरिफ को 90 दिन रोकने की घोषणा की है। जिसका एक पॉजिटिव प्रभाव विदेशी शेयर बाजारों में देखने को मिला है। ये अनुमान है कि कल भारतीय शेयर बाजार में भी इसका पॉजिटव असर हो सकता है।

अलग-अलग खबरों से शेयर बाजार में हलचल होना आम बात है। लेकिन अगर आप इसे परेशान है और जोखिम कम करना चाहते हैं, तो नीचे बताए गए स्कीम्स में अप्लाई कर सकते हैं।

हमने इसमें पोस्ट ऑफिस स्कीम जैसे पीपीएफ, टाइम डिपॉजिट स्कीम्स को शामिल किया है। इसके साथ ही म्यूचुअल फंड, ईएलएसएस फंड और बैंक एफडी को भी जोड़ा है।

ये है जोखिम कम करने वाली 5 स्कीम्स

1. पब्लिक प्रोविडेंट फंड- पीपीएफ यानी पब्लिक प्रोविडेंट फंड निवेशकों के बीच काफी पॉपुलर है। इसमें आपको सालाना 7.1 फीसदी रिटर्न मिल जाता है। वहीं कम्पाउंडिंग का भी लाभ मिलता है। इस स्कीम में न्यूनतम 500 रुपये और अधिकतम 1,50,000 रुपये तक निवेश कर सकते हैं। ये निवेश रकम एक फाइनेंशियल ईयर के हिसाब से बताई गई है।

2. नेशनल सेविंग टाइम डिपॉजिट स्कीम- पोस्ट ऑफिस स्कीम द्वारा कई स्कीम्स ऑफर की जाती है। इनमें से ही एक है, टाइम डिपॉजिट स्कीम। अगर आप सुरक्षित स्कीम ढूंढ रहे हैं, तो ये एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। इस स्कीम को न्यूनतम 1000 रुपये निवेश कर शुरू किया जा सकता है।

इस स्कीम में ब्याज साल के हिसाब से दिया जाता है। हालांकि ब्याज तिमाही के आधार पर कैलकुलेट किया जाता है। वहीं इस स्कीम के आप 1 साल से लेकर 5 साल तक निवेश कर सकते हैं। इस स्कीम में सबसे ज्यादा रिटर्न 7.5 फीसदी है।

शेयर बाजार पर डोनाल्ड ट्रंप का नया पोस्ट, निवेशकों को दी यह सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्लोबल मार्केट में भारी उथल-पुथल के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक नया पोस्ट किया है। सोशल मीडिया पर यह पोस्ट न्यूयॉर्क में सुबह 9ः37 बजे किया गया। अपने पोस्ट में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लिखा है, शेयर बाजार में खरीदारी के लिए यह बहुत बढ़िया समय है। बता दें कि ट्रंप टैरिफ के ऐलान से दुनियाभर के मार्केट में हलचल है और अमेरिकी मार्केट बीते चार दिनों में 6 ट्रिलियन डॉलर से अधिक गिर गया था। इससे S&P500 को तगड़ा नुकसान झेलना पड़ा। इतना ही नहीं ट्रंप टैरिफ से भारतीय शेयर बाजार भी बीते सोमवार को करीबन 4000 अंक तक गिर गया था।

90 दिनों के लिए स्थगित किया गया है प्लान- बता दें कि वैश्विक बाजार में मंदी की आशंका के बीच बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ज्यादातर देशों पर लगाए गए शुल्क को अचानक 90 दिनों के लिए स्थगित करने का फैसला किया, हालांकि उन्होंने चीन से आयात पर शुल्क की दर बढ़ाकर 125 प्रतिशत कर दी है। ट्रंप ने कहा कि ये देश अधिक अनुकूल शर्तों पर बातचीत करने के लिए राजी हैं। इस खबर के बाद मिनटों में शेयर बाजार में उछाल आया। एसएंडपी 500 में 7% से अधिक की बढ़ोतरी हुई, इससे 3 ट्रिलियन डॉलर का मुनाफा हुआ। इसका असर भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ा और सेंसेक्स-निफ्टी में कुछ रिकवरी देखी गई।

आयुष्मान कार्ड से करने जा रहे हैं इलाज, ये बीमारियां नहीं हैं शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयुष्मान कार्ड की शुरुआत प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के तहत हुई थी। इसे साल 2018 में शुरू किया गया था। इस योजना का उद्देश्य जरूरतमंद और गरीब लोगों को फ्री में इलाज प्रदान करना है।

इस योजना के लिए कोई भी आयु सीमा नहीं रखी गई है। इसके साथ ही सैलरी को लेकर कोई सीधा नियम नहीं है। हालांकि आय प्रमाण पत्र के हिसाब से आयुष्मान कार्ड योजना का लाभ लेने के लिए व्यक्ति की सालाना इनकम 1.5 लाख रुपये या इससे कम होनी चाहिए।

इस कार्ड के तहत लाभार्थी किसी भी तरह की गंभीर बीमारी में 5 लाख रुपये तक मुफ्त इलाज कर सकते हैं। हालांकि अस्पताल से जुड़े कुछ इलाज इस कार्ड के अंतर्गत शामिल नहीं होते।

ये इलाज नहीं होते कार्ड में कवर- अगर आप आयुष्मान कार्ड से इलाज कराने जा रहे हैं, तो आपका ये जानना जरूरी है कि कौन-सी परिस्थितियों में आप बीमा कवर नहीं ले सकते हैं।

अगर लाभार्थी को ऐसी बीमारी है, जिसका इलाज ओपीडी में किया जा सकता है

इसके लिए उसे अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत नहीं है। ऐसी स्थिति में बीमा कवर नहीं मिलेगा।

बीमा कवर में प्राइवेट ओपीडी भी शामिल नहीं किए गए हैं।

अगर आप अस्पताल सिर्फ टेस्ट कराने जाते हैं, तो ये भी बीमा कवर में शामिल नहीं होगा।

हालांकि अगर डॉक्टर को दिखाने के बाद आप कुछ टेस्ट के लिए जाते हैं, तो ये बीमा कवर के अंतर्गत आते हैं।

आयुष्मान कार्ड में क्या-क्या मिलते हैं फायदे- इस योजना के तहत 3 दिन का pre-hospitalization और 15 दिनों का post- hospitalization शामिल होते हैं।

इस योजना के तहत सभी टेस्ट शामिल होते हैं।

इसके साथ ही दवाइयों पर लगने वाला खर्च को भी शामिल किया गया है।

वहीं भर्ती के दौरान खाने-पीने को भी बीमा में कवर किया जाएगा।

इसके अलावा योग्यता को लेकर भी कुछ सीमाएं रखी गई है।

59% तक चढ़ेगा अडानी समूह का यह शेयर, 800 के पार जाएगा भाव, एक्सपर्ट का अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप अडानी समूह की कंपनी पर दांव लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए काम की खबर है। मार्केट एनालिस्ट ने अडानी पावर के शेयर को खरीदने की सलाह दी है। यह शेयर - अडानी पावर का है। अडानी पावर के शेयर बीते बुधवार को 1% से अधिक टूटकर 508 रुपये पर बंद हुए थे।

वेंचुरा सिक्योरिटीज के अडानी पावर के शेयर पर 806 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। इसका मतलब है कि पिछले बंद प्राइस से अडानी समूह का यह शेयर 59% तक चढ़ सकता है। ब्रोकरेज ने अपने नोट में लिखा है कि वित्त वर्ष 2024 में अडानी पावर के रेवेन्यू में 29.9 प्रतिशत और एबिटा (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की आय) में 81 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 31 तक कंपनी का लक्ष्य अपनी क्षमता को 30.67 गीगावाट तक बढ़ाना है। वित्त वर्ष 2024-27E के दौरान राजस्व और एबिटा में क्रमशः 11.8 प्रतिशत और 10.6 प्रतिशत CAGR की वृद्धि होने की उम्मीद है।

अडानी पावर का दिसंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ सात प्रतिशत बढ़कर 2,940 करोड़ रुपये हो गया। मुख्य रूप से बिजली की बिक्री बढ़ने से राजस्व में वृद्धि हुई है। कंपनी के मुताबिक, ''वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एकीकृत कुल राजस्व 11 प्रतिशत बढ़कर 14,833 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 13,355 करोड़ रुपये था।

रेपो रेट में कटौती के बाद इन बैंकों ने दिया अपने ग्राहकों को तोहफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरबीआई की एमपीसी बैठक का आयोजन 7 अप्रैल को किया गया था। जिसका फैसला कल यानी 9 अप्रैल को जारी किया गया। आरबीआई की मौद्रिक समिति बैठक में ये तय किया गया कि रेपो रेट में 0.25 फीसदी कटौती की गई है। अब नया रेपो रेट 6 फीसदी हो गया है।

रेपो रेट का असर भी अब देखने को मिल गया है। कटौती के बाद कुछ बैंकों ने अपना लोन ब्याज दर रिवाइज किया है। बैंकों ने ब्याज दर में गिरावट करने का फैसला किया है। जिससे कई लोगों को फायदा होने वाला है।

रेपो रेट में बदलाव का असर बैंकों के लोन ब्याज दर और फिक्स्ड डिपॉजिट के दर पर देखने को मिलता है। जहां लोन ब्याज दर में गिरावट की जाती है। वहीं फिक्स्ड डिपॉजिट के फ्लोटिंग रेट को बढ़ाया जाता है।

किन बैंकों ने की ब्याज दर में कटौती- रेपो रेट में कटौती के बाद देश की दिग्गज सरकारी बैंक, पंजाब नेशनल बैंक ने ब्याज दर घटा दिए हैं। इसके साथ ही इंडियन बैंक ने भी लोन ब्याज दर घटाया है। इसके अलावा इस लिस्ट में यूको और बैंक ऑफ इंडिया भी शामिल हैं।

पंजाब नेशनल बैंक- कटौती के बाद पंजाब नेशनल बैंक ने अपने आरबीएलआर में कटौती कर दी है। जिससे उनका नया ब्याज दर 8.85 फीसदी हो गया है। पहले बैंक लोन पर 9.10 फीसदी ब्याज दर वसूलता था।

इंडियन बैंक- इंडियन बैंक ने भी लोन ब्याज दर घटाएं है। ये फैसला रेपो रेट में कटौती के बाद लिया गया है। बैंक ने अपने आरबीएलआर में 0.35 फीसदी घटाया है। अब इंडियन बैंक की नई ब्याज दरें 8.70 फीसदी हो गई है। ये नई दरें कल यानी 11 अप्रैल से लागू की जाएगी।

इन दोनों बैंकों के अलावा यूको और बैंक ऑफ इंडिया ने भी ब्याज दर घटा दिए है। यूको बैंक की नई लोन ब्याज दर घटकर 8.8 फीसदी हो गई है।

आरबीआई ने क्यों की रेपो रेट में कटौती?

इस साल लगातार दूसरी बार आरबीआई ने रेपो रेट में कटौती की है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया एक साल में हर दो महीने बाद रेपो रेट रिवाइज करती है। वहीं फरवरी 2025 में ऐसा 5 साल बाद हुआ कि रेपो रेट में कटौती की गई थी। ये दोनों ही एमपीसी मीटिंग नए गवर्नर संजय मल्होत्रा के नेतृत्व में हुई है।

टाटा की दिग्गज कंपनी के मुनाफे में गिरावट, बावजूद हर शेयर पर 30 डिविडेंड देने का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की टॉप सॉफ्टवेयर कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने मार्च 2025 को समाप्त तिमाही के लिए अपने नतीजे आज गुरुवार को जारी कर दिए हैं। टाटा समूह की दिग्गज कंपनी टीसीएस का मार्च तिमाही में सालाना आधार पर नेट प्रॉफिट गिरा है। जनवरी से मार्च के बीच टीसीएस का नेट प्रॉफिट 1.7त्न गिरकर 12,224 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले साल इसी तिमाही में 12,434 करोड़ रुपये था। यह अनुमान 12,650 करोड़ रुपये से थोड़ा कम है। बता दें कि कल शुक्रवार को कंपनी के शेयर फोकस में रह सकते हैं। आज गुरवार को महावीर जयंती के मौके पर बाजार बंद है। बुधवार को टीसीएस के शेयर करीबन 2त्न की गिरावट के साथ 3,239 रुपये पर बंद हुए थे।

रेवेन्यू में इजाफा- इस बीच, टीसीएस का रेवेन्यू पिछले साल की समान अवधि के 61,237 करोड़ रुपये से 5.3त्न बढ़कर 64,479 करोड़ रुपये हो गया। इसके अलावा, कंपनी ने 30 रुपये प्रति शेयर का अंतिम डिविडेंड देने का ऐलान भी किया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

तुम लोग पूरे समय नौटंकी करने वाले लोग हो, अधिकारियों पर भड़के पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल

शिवपुरी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल गुरुवार को पोहरी जनपद की ग्राम पंचायत देवपुरा में क्वारी नदी के पास जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे। जहां उन्होंने माता मंदिर पर पूजा अर्चना के बाद कार्यों का ब्यौरा लिया। इसी दौरान किसी बात पर वह अधिकारियों पर भड़क गए और कहा कि इससे लगता है कि तुम....पूरे समय नौटंकी करने वाले लोग हो। हालांकि संवाददाता ने मंत्री से जब नाराजगी का कारण जानने का प्रयास किया, तो वह बिना कुछ बोले ही मौके रवाना हो गए। इस संबंध में जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन ने भी केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के कार्यक्रम

में होने की बात कहते कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

मंत्री प्रहलाद पटेल को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत पंडाल में सुबह से उनका इंतजार कर रही आम जनता से चर्चा करने के लिए जाना था, परंतु मंत्री कार्यक्रम की औपचारिकताएं पूरी कर वहां से लौट गए। मंत्री के इस कदम से जनता में नाराज हो गई। कार्यक्रम के दौरान मौजूद कांग्रेस विधायक कैलाश कुशवाह का कहना था कि मंत्री जी को कोई अर्जेंट कॉल आ गया था, शायद इसलिए वह चले गए। मंत्री जी को जनता के बीच जाना चाहिए था, लेकिन वह नहीं गए तो भाजपा के अन्य नेताओं को जनता के बीच जाना चाहिए था। मैं मंच पर नहीं गया, लेकिन जनता के पास गया उससे बात भी की।

मंत्री जी की नाराजगी इस बात को लेकर थी कि गर्मियों में पौधरोपण कौन करता है। उनका कहना था कि हम 20 जून के बाद पौधरोपण करेंगे। रही बात आमजन से संवाद करने के लिए टेंट में जाने की तो, उस टेंट की जानकारी न तो मंत्री जी को थी और न ही मुझे। मुझे खनियाधाना में इस बारे में बताया गया है। यही कारण है कि हम लोग जनता के पास नहीं जा पाए।

- नेहा यादव, जिपं अध्यक्ष

SC-ST के हजारों कर्मचारियों पर लटकी रहेगी डिमोशन की तलवार

भोपाल। मध्य प्रदेश में जहां एक ओर अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रमोशन देने की तैयारियां शुरू हो गई हैं, वहीं दूसरी ओर अनुसूचित जाति (स्ट) और अनुसूचित जनजाति (स्ज्ञ) के हजारों कर्मचारियों पर डिमोशन की तलवार लटक रही है।

ये वे कर्मचारी हैं, जिन्हें 2002 के प्रमोशन में आरक्षण नियम के तहत पदोन्नति दी गई थी। हालांकि, हाई कोर्ट ने अप्रैल 2016 में इस नियम को निरस्त कर दिया था, जिसके बाद इन प्रमोशंस की वैधता पर सवाल उठ गए। सरकार ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, जहां यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश हैं। लेकिन अंतिम निर्णय तक स्ट-स्ज्ञ कर्मचारियों की पदावनति का खतरा बना हुआ है। प्रमोशन में आरक्षण का इतिहास

सन् 2002 में तत्कालीन दिग्विजय सिंह सरकार ने स्ट-स्ज्ञ वर्ग के कर्मचारियों को प्रमोशन में आरक्षण देने के लिए नियम बनाए थे। इन नियमों के आधार पर 2016 तक कई कर्मचारियों को पदोन्नति मिली। इससे स्ट-स्ज्ञ वर्ग के अधिकारियों और कर्मचारियों को काफी फायदा हुआ, वे लगातार ऊंचे पदों पर पहुंचते गए।

दूसरी ओर, ओबीसी और अनारक्षित वर्ग के कर्मचारी, जो वरिष्ठ थे, प्रमोशन में पीछे छूट गए। इस असमानता के खिलाफ मामला हाई कोर्ट पहुंचा, जहां सभी तथ्यों पर विचार के बाद नियम को रद्द कर दिया गया। हाई कोर्ट के फैसले से इन कर्मचारियों के डिमोशन की स्थिति बन गई, जिसे रोकने के लिए सरकार सुप्रीम कोर्ट गई।

सुप्रीम कोर्ट का रुख

सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले पर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है। इसका मतलब है कि जिन कर्मचारियों को 2002 के नियम के तहत प्रमोशन मिला, उनकी स्थिति अभी सुरक्षित है, लेकिन यह सुप्रीम कोर्ट के अंतिम फैसले पर निर्भर करेगी।

विधि एवं विधायी जैसे विभागों में जो नई प्रमोशंस दी गई हैं, उनमें स्पष्ट लिखा है कि ये सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अधीन रहेंगी। ऐसे में स्ट-स्ज्ञ कर्मचारियों पर अनिश्चितता का साया बना हुआ है। यदि सुप्रीम कोर्ट हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखता है, तो इन कर्मचारियों को पदावनत होना पड़ सकता है।

सपाक्स की मांग: सभी वर्गों के हितों का ध्यान

सामान्य, पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक वर्ग अधिकारी कर्मचारी संस्था (सपाक्स) के अध्यक्ष केपीएस तोमर ने कहा कि 2002 के नियम से अनारक्षित और ओबीसी वर्ग के कर्मचारियों के साथ अन्याय हुआ।

उनका तर्क है कि स्ट-स्ज्ञ कर्मचारी मेरिट के आधार पर अनारक्षित पदों पर पहुंच गए और आरक्षित पद भी हासिल किए, जिससे उन्हें दोहरा लाभ मिला।

तोमर ने सुप्रीम कोर्ट के नागराज प्रकरण का हवाला देते हुए कहा कि प्रमोशन में प्रतिनिधित्व और दक्षता को आधार बनाना चाहिए। उनका कहना है कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार जैसे राज्यों में आरक्षण खत्म कर वरिष्ठता के आधार पर प्रमोशन लागू किया गया है। मध्य प्रदेश में भी ऐसा ही होना चाहिए।

सरकार की नई रणनीति

प्रमोशन का रास्ता निकालने के लिए सरकार नए नियम बनाने की तैयारी में है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि फिर से 36त्र स्ट-स्ज्ञ और 64त्र अनारक्षित पदों का फॉर्मूला लाया गया, तो यह विवाद को और बढ़ाएगा।

सपाक्स और कर्मचारी संगठन मांग कर रहे हैं कि सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखा जाए। सरकार प्रमोशन में संतुलन नहीं लाती, तो यह मुद्दा और जटिल हो सकता है। कर्मचारी चाहते हैं कि प्रमोशन का आधार वरिष्ठता और प्रदर्शन हो, न कि केवल आरक्षण।

अखिल भारतीय सेवा जैसा प्रावधान की मांग कर्मचारियों का एक वर्ग मांग कर रहा है कि प्रमोशन की प्रक्रिया अखिल भारतीय सेवा (ढ्ढस्) की तर्ज पर हो।ढ्ढस् में निश्चित समय के बाद प्रदर्शन के आधार पर उच्च वेतनमान में पदोन्नति मिलती है। गोपनीय चरित्रावली (सीआर) इसमें अहम भूमिका निभाती है। यदि किसी का प्रदर्शन औसत से कम होता है, तो उसे प्रमोशन नहीं मिलता। मध्य प्रदेश में राज्य और वित्त सेवा के लिए भी ऐसी व्यवस्था लागू है। कर्मचारी चाहते हैं कि सभी विभागों में यही नियम लागू हो, ताकि योग्यता और मेहनत को प्राथमिकता मिले।

जबलपुर में रेलिंग तोड़ गोमती नदी में गिरी बेकाबू कार, चार की मौत, कार में दारू की बोतल भी मिली

जबलपुर। जिला मुख्यालय से 45 दूर गुरुवार दोपहर एक तेज रफ्तार कार रैलिंग तोड़ती हुई नदी में जा गिरी। हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दो गंभीर घायलों को नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कार सवार नरसिंहपुर जिले के नजदीकी गांव चरगवां से जबलपुर आ रहे थे। सूचना पर चरगवां थाना प्रभारी अभिषेक प्यासी दल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे लोगों को बाहर निकलवाया। कार में कुल छह लोग सवार थे।

यह थी पूरी घटना-एक धार्मिक स्थल के दर्शन करके लौट रहे एक ही परिवार के छह लोग जिस कार में सवार थे, वह बेकाबू होकर जबलपुर जिले के चरगवां थाना क्षेत्र में पुल की रेलिंग तोड़कर गोमती नदी में जा गिरी।गुरुवार को हुए इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार अत्यधिक तीव्र गति से आ रही थी। चूंकि कार के अंदर शराब की बोतल, एक बकरा और एक मुर्गा मिला है, इसलिए कार चालक के नशे में होने की आशंका व्यक्त की जा रही है।

समझा जा रहा है कि बकरे और मुर्गे को वे खरीदकर घर ले जा रहे थे। मृतक किशन पटेल (40), महेन्द्र पटेल (35), सागर पटेल (17), राजेन्द्र पटेल (36) और घायल जितेंद्र पटेल और मनोज पटेल जबलपुर जिले के भेड़ाघाट थाना क्षेत्र के चौकीताल के निवासी हैं और आपस में स्वजन हैंवे कार से गोटेगांव स्थित दादा दरबार में गए थे। दर्शन करने के बाद सभी घर लौट रहे थे। पुलिस घटना का कारण पता करने के लिए जांच कर रही है। कार में फंसे दोनों लोगों मनोज पटेल और जितेंद्र पटेल निवासी चौकीताल को सब्बल से दरवाजा तोड़कर सुरक्षित निकाल लिया गया।

पुलिस के अनुसार सभी लोग भेड़ाघाट थाने के चौकीताल के रहने वाले हैं। पुलिस ने स्वजन को सूचना दी है।

पुलिस के अनुसार स्कार्पियो सवार युवक जैसे ही सोमती नदी के पास से गुजरे तो वाहन अनियंत्रित होकर पुल से सीधे नदी में जा गिरा।

कार में एक बकरा भी जीवित मिला है। पुलिस के अनुसार वाहन भोपाल पासिंग का है। मौके पर वरिष्ठ अधिकारी पहुंचे हैं।

ग्रामीण क्षेत्र में निजी भूमि से पेड़ काटने की अब ऑनलाइन मिलेगी अनुमति

भोपाल। मध्य प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में निजी भूमि पर पेड़ काटने की अनुमति अब आनलाइन दी जाएगी। अभी तक सरपंच को इसके अधिकार थे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने सरपंचों के इस अधिकार को वापस लेकर स्थगित कर अनुमति की प्रक्रिया ऑनलाइन कर दी है। पंचायतराज संचालक छोटे सिंह ने सभी जिला कलेक्टरों को परिपत्र भेजकर कहा है कि अब ग्रामीणों की निजी भूमि पर पेड़ों की कटाई की अनुज्ञा संबंधी प्रक्रिया पंचायत दर्पण पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन की जाएगी। वर्तमान अप्रैल माह से किसी भी प्रकार का सरपंच द्वारा जारी किया गया ऑफलाइन अनुज्ञा पत्र मान्य नहीं होगा।

आवेदन पत्र की प्रविष्टि एवं स्वीकृति की प्रक्रिया से पंचायत के पदाधिकारियों, सचिव, पटवारी, राजस्व निरीक्षक, ग्राम रोजगार सहायक, उपयंत्री एवं अन्य मैदानी कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा और इस कार्य की प्रभावी निगरानी की जाएगी। 13 जनवरी 2023 में इसके लिए पटवारी की रिपोर्ट पर ग्राम पंचायत को अधिकृत किया गया था। बता दें कि इससे पहले ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामीणों की निजी भूमि पर पेड़ कटाई की अनुमति देने का अधिकार ग्राम पंचायत के सरपंच को दिया गया था।राजस्व विभाग के राजपत्र के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्र में पेड़ों को काटे जाने के लिए पटवारी की रिपोर्ट पर ग्राम पंचायत को अधिकृत किया गया था।

सड़कों पर सोने चांदी के रथ देखकर चौंके लोग, भगवान महावीर के लिए उमड़ी लाखों भक्तों की भीड़

इंदौर समेत देशभर में महावीर जयंती का पर्व पूरे उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर इंदौर सहित प्रदेश के प्रमुख शहरों और जैन तीर्थ स्थलों पर शोभायात्राओं का आयोजन किया जा रहा है। इन शोभायात्राओं में भगवान महावीर के जीवन दर्शन को प्रदर्शित किया जा रहा है और धार्मिक अनुष्ठान भी हो रहे हैं। प्रदेश के पांच प्रमुख जैन तीर्थ स्थलों पर विशेष धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं, जिससे इस दिन का महत्व और भी बढ़ गया है। सड़कों पर कहीं सोने तो कहीं चांदी के रथ के साथ भगवान महावीर की शोभा यात्राएं निकल रही हैं।

पूरा शहर उत्साह और खुशियों से सराबोर- महावीर जयंती के मौके पर दिगंबर और श्वेतांबर समाज ने अपने-अपने तरीके से रथयात्रा का आयोजन किया है। इंदौर में श्वेतांबर जैन समाज ने सुबह राजवाड़ा से रथयात्रा शुरू की, जिसमें भगवान महावीर के जीवन दर्शन पर आधारित तीन झांकियां प्रदर्शित की गई। इन झांकियों में जल बचाओ जैसे महत्वपूर्ण संदेशों को भी दर्शाया गया। इसके अलावा, पंजाब और कर्नाटक की नृत्य मंडलियां भी इस यात्रा में सम्मिलित हुईं, जो माहौल को और भी रंगीन बना रही थीं।

शाम तक चलेंगे आयोजन- इंदौर में दिगंबर जैन समाज की रथयात्रा भी विशेष रूप से आयोजित की जा रही है। यह यात्रा दोपहर करीब 2.30 बजे कांच मंदिर, इतवारिया बाजार से शुरू होगी और स्वर्ण रथ के साथ शोभा यात्रा निकाली जाएगी। यह रथयात्रा भी धार्मिक आस्था और भक्ति का प्रतीक मानी जा रही है, जिसमें हजारों की संख्या में लोग सम्मिलित होते हैं। इस यात्रा में भगवान महावीर के उपदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाता है।

बच्चों ने दी प्रस्तुतियां, युवा भी खूब रहे आगे - इंदौर में श्वेतांबर जैन महासंघ न्यास द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सांसद शंकर लालवानी भी शामिल हुए। इस अवसर पर बच्चों ने विभिन्न प्रकार की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें नन्हे बच्चे भगवान महावीर के रथ के आसपास सुंदर प्रस्तुतियां देते हुए नजर आए। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा और महिलाएं भी शामिल हुए, जिन्होंने इस धार्मिक आयोजन का हिस्सा बनकर इसका महत्व महसूस किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव पहुंचे माण्डु- हुआ आत्मीय स्वागत

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आज मांडू पहुँचने पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा भावभीना स्वागत किया गया। मांडू हैलीपेड में केंद्रीय राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, प्रदेश के पूर्व मंत्री श्री राज्यवर्धन सिंह दत्तीगांव, विधायक श्री कालूसिंह ठाकुर, विधायक श्रीमती नीना वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को मांडू की पहचान प्रसिद्ध ऐतिहासिक खुरासानी इमली भेंट की गई।

प्रशिक्षण का लिया जायजा- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दीनदयाल अंत्योदय योजना शहरी आजीविका मिशन के तहत स्थानीय महिलाओं को दिए जा रहे बाग प्रिंट प्रशिक्षण को देखा। उन्होने कला के संरक्षण में ग्रामीण महिलाओं की भूमिका को सराहा। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रही समस्त महिलाओं को शुभकामनाएं दीं।

चतुर्भुज श्रीराम मंदिर के किये दर्शन- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने माण्डू के प्रसिद्ध चतुर्भुज श्रीराम मंदिर पहुंचकर भगवान श्रीराम की प्रतिमा के भी दर्शन किए। उन्होंने यहाँ मंदिर के महाराज एवं अन्य संतों से भेंट की और आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मैं सौभाग्यशाली हूं कि इस मंदिर में दर्शन का अवसर मिला। यहां भगवान श्रीराम की अद्भुत और अद्वितीय मूर्ति है। यह ऐतिहासिक भी है। भगवान राम जी चतुर्भुज रूप में है। इसमें भगवान श्री राम के साथ विष्णु भगवान की झलक भी दिखाई देती है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश विरासत से विकास की ओर बढ़ रहा है। मध्य प्रदेश में पर्यटन केन्द्रों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

सीएम हेल्पलाइन के आवेदनों को गंभीरता से करें निराकृत

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने कहा है कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज आवेदनों को गंभीरता के साथ निर्धारित समय-सीमा में सकारात्मक रूप से निराकृत करें। आवेदनों के निराकरण में किसी भी तरह की लापरवाही और उदासीनता बर्दाश्त नहीं होगी। लापरवाही और उदासीनता बरतने पर संबंधित अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने आज कलेक्टर कार्यालय में विभिन्न शासकीय विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज आवेदनों के निराकरण की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को आगामी सोमवार तक का समय देते हुए कहा कि अधिक से अधिक प्रकरण इस अवधि में निराकृत करें। आगामी मंगलवार को पुन- समीक्षा की जायेगी। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में दर्ज आवेदनों के निराकरण को अधिकारी अपने शासकीय दिनचर्या में शामिल करें। कार्यालय पहुंचते ही सबसे पहले सीएम हेल्पलाइन के आवेदनों को देखें। गंभीरता के साथ अध्ययन करें। आवेदकों से चर्चा करें। यथासंभव प्रकरण उसी दिन निराकृत भी करें। प्रयास करें कि आवेदनों का निराकरण सकारात्मक हो।

समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन एवं पात्र हितग्राहियों के ईकेवायसी संबंधी संभागीय समीक्षा सम्पन्न

30 अप्रैल तक सभी पात्र हितग्राहियों की ईकेवायसी करायी जाए

इंदौर। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अंतर्गत पात्र हितग्रहियों के ईकेवायसी एवं समर्थन मूल्य पर उपार्जित गेहूँ के शीघ्र भुगतान हेतु मध्यप्रदेश शासन खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती रश्मि अरूण शमी की अध्यक्षता में वीडियों कांफ्रेसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग आयुक्त श्री कर्मवीर शर्मा, प्रदेश के समस्त जिलों के कलेक्टर एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। समीक्षा बैठक में इंदौर से उपायुक्त राजस्व श्रीमती सपना लोवंशी, सहायक संचालक कृषि श्रीमती नम्रता गुरनानी, नागरिक आपूर्ति सिविल सप्लाई के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री रिंकेश वैश्य, विभाग के श्री पुरुषोत्तम पाटीदार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत सभी पात्र हितग्राहियों की ईकेवायसी 30 अप्रैल तक करा ली जाये। मोबाइल ऐप के माध्यम से फेस ऑथेंटिकेशन किये जाना प्रस्तावित है। समस्त पात्र हितग्राहियों के डाटाबेस में आधार नंबर की सीडिंग पूर्व से ही की जा चुकी है। इसके लिए ईकेवायसी दल को प्रशिक्षण दिया जाये। इस कार्य में पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा नगरीय प्रशासन विभाग का सहयोग लिया जाये।बैठक में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग आयुक्त श्री कर्मवीर शर्मा ने सभी अधिकारियों से कहा कि ईकेवायसी करने हेतु दल गठित किये जाये।

निपानिया तालाब के लिए छठ घाट निर्माण की मांग, पूर्वोत्तर संस्थान ने महापौर को लिखा पत्र

इंदौर। पूर्वोत्तर सांस्कृतिक संस्थान मध्य प्रदेश ने इंदौर नगर निगम के महापौर पुष्यमित्र भार्गव को एक ज्ञापन पत्र लिखकर निपानिया तालाब के जीर्णोद्धार, सफाई, सौंदर्यीकरण और छठ घाट निर्माण की मांग उठाई है। यह प्रस्ताव शहर में रहने वाले बिहार और पूर्वांचल समुदाय के हजारों छठ श्रद्धालुओं की ओर से पेश किया गया है, जो प्राकृतिक जलाशयों की कमी के कारण पर्व के दौरान असुविधा का सामना करते हैं।

संस्थान के अध्यक्ष ठाकुर जगदीश सिंह और महासचिव के.के. झा ने बताया कि निपानिया तालाब की मौजूदा स्थिति चिंताजनक है। तालाब में आसपास से आने वाले गंदे नाले का दूषित पानी मिल रहा है, जिससे यह उपयोग के योग्य नहीं रह गया है। ज्ञापन में तालाब में प्रदूषित जल के प्रवाह को रोकने, इसकी सफाई करने और किनारे छठ घाट बनाने का अनुरोध किया गया है। यह सुविधा विशेष रूप से निपानिया, पिपलियाकुमार और आसपास के क्षेत्रों के निवासियों के लिए लाभकारी होगी। हालांकि, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने टिगरिया बादशाह, पिपलियाहना और अन्नपूर्णा तालाब पर छठ घाट निर्माण की घोषणा की है, लेकिन संस्थान का कहना है कि निपानिया क्षेत्र के लिए अलग से व्यवस्था आवश्यक है। इस मांग को व्यापक समर्थन देने के उद्देश्य से ज्ञापन की प्रतियां जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, इंदौर कलेक्टर, डिविजनल कमिश्नर और वार्ड 36 के पार्षद को भी प्रेषित की गई हैं।

राष्ट्रीय लोक अदालत 10 मई को- व्यापक तैयारियां प्रारंभ

इंदौर। लंबित न्यायालयीन प्रकरणों के आपसी सुलह समझौते के माध्यम से त्वरित निराकरण के लिये समस्त न्यायालयों में 10 मई को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया है। इस सिलसिले में कार्यपालक अध्यक्ष राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के आदेशानुसार एवं इंदौर उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ के प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री विवेक रूसिया के निर्देशन में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर में भी 10 मई (शनिवार) को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। प्रिंसिपल रजिस्ट्रार/सचिव उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति खण्डपीठ इंदौर श्री अनूप कुमार त्रिपाठी ने बताया कि समस्त पक्षकारों एवं अधिवक्तागण से अनुरोध किया गया है कि उपरोक्तानुसार उच्च न्यायालय में लंबित प्रकरणों को नेशनल लोक अदालत के माध्यम से सुलह एवं समझौते के आधार पर निराकृत कराने हेतु मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खण्डपीठ इंदौर में प्रिंसिपल रजिस्ट्रार, ओ.एस.डी/रजिस्ट्रार, रजिस्ट्रार (एम), ज्वाईन्ट रजिस्ट्रार, संबंधित सेक्शन एवं विधिक सहायता अधिकारी, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति इंदौर से संपर्क कर अपने प्रकरणों को नेशनल लोक अदालत में रखने हेतु आवेदन/सूचना दे सकते है। लोक अदालत के माध्यम से प्रकरण का निराकरण होने पर शासन द्वारा अदा की गई कोर्ट फीस वापसी का भी प्रावधान है।

महिला उद्यमिता योजना को मिली रफ्तार, लुनिया करेंगे इंदौर-उज्जैन दौरा

7 दिनों में 100 से अधिक एनजीओ से संपर्क, 6000 महिलाओं को उद्यमिता से जोड़ने का प्रयास

इंदौर। नारी शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित महिला उद्यमिता योजना ने मध्यप्रदेश में गति पकड़ ली है। इसी क्रम में श्री विनायक अशोक लुनिया आगामी सात दिनों में इंदौर और उज्जैन संभाग के 100 से अधिक स्वयंसेवी संगठनों (एनजीओ) से संपर्क करेंगे तथा 6000 से अधिक महिलाओं को सूक्ष्म उद्यमिता से जोड़ने की दिशा में कार्य करेंगे।

श्री लुनिया ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाते हुए उन्हें स्वरोजगार और निर्यात व्यापार से जोड़ना है। उन्होंने बताया कि अगले छह महीनों में प्रदेश की 20,000 महिलाओं को अंतरराष्ट्रीय व्यापार से जोड़ने का लक्ष्य है, जिससे प्रदेश में लगभग 5 लाख नए रोजगार के अवसर सृजित हो सकते हैं। इससे राज्य सरकार को भी कर के रूप में राजस्व की प्राप्ति होगी।

उन्होंने कहा, हम सामाजिक एवं आर्थिक चुनौतियों के बावजूद निरंतर एनजीओ के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, ताकि महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकें और सशक्त उद्यमी के रूप में देश के विकास में योगदान दे सकें। केंद्र सरकार की योजनाओं से जुड़ा अभियान- श्री लुनिया ने बताया कि यह अभियान केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं को ध्यान में रखते हुए संचालित किया जा रहा है। इसमें एमएसएमई मंत्रालय के तहत रोजगार सृजन, डिजिटल इंडिया के माध्यम से डिजिटल सशक्तिकरण, वाणिज्य मंत्रालय के सहयोग से इंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य हो रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का इंदौर आगमन पर आत्मीय स्वागत

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज इंदौर आये। इंदौर विमानतल पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्रीजी का आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर विधायक श्री गोलू शुक्ला, पूर्व विधायक श्री सुदर्शन गुप्ता, पुलिस आयुक्त श्री संतोष सिंह, कलेक्टर श्री आशीष सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा सहित अन्य अधिकारी और श्री सुमित मिश्रा आदि मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव विमानतल से ही कुक्षी के लिए रवाना हुए।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम, वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकर ! भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

पंचक्रोशी यात्रा मार्ग पर स्वास्थ्य संस्थाओं का निरीक्षण, सिंहस्थ 2028 की दृष्टि से उपयोग की संभावनाओं पर विचार

पंचक्रोशी यात्रियों के लिए पड़ावों पर 24 घंटे तैनात रहेंगे डाक्टर व मेडिकल स्टॉफ

उज्जैन । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अशोक कुमार पटेल द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया है कि, क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. दीपक पिप्पल एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल द्वारा पंचक्रोशी यात्रा मार्ग पर स्थित विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर जिला महामारी विशेषज्ञ डॉ. आदित्य माथुर एवं उप यंत्री श्रीमती नेहा निर्मल भी उपस्थित रहीं।

निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य संस्थाओं की भौतिक स्थिति, उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाएं, साफ-सफाई की व्यवस्था तथा कर्मचारियों की उपस्थिति का बारीकी से आकलन किया गया। इसके साथ ही इन संस्थाओं का आगामी सिंहस्थ 2028 में संभावित रूप से उपयोग किए जाने

की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया तथा आवश्यक सुधारों एवं संसाधन विस्तार के समाधान विकल्पों पर मंथन किया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने बताया कि पंचक्रोशी यात्रा जैसे धार्मिक आयोजनों में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की पूर्व तैयारी अत्यंत आवश्यक है। सिंहस्थ 2028 जैसे विशाल आयोजन को दृष्टिगत रखते हुए, वर्तमान संसाधनों का अधिकतम एवं प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने हेतु विभाग द्वारा निरंतर कार्य किया जा रहा है।

24 घंटे तैनात रहेंगे डॉक्टर

आगामी 23 अप्रैल से शुरू हो रही पंचक्रोशी यात्रा में आने वाले पंचक्रोशी यात्रियों की स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर पंचक्रोशी मार्ग के अन्तर्गत आने वाले मुख्य पढ़ाव एवं उप पढ़ाव पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा 24 घंटे डॉक्टर और स्टाफ की नियुक्ति की जाएगी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर अशोक पटेल ने बताया कि पंचकोशी मार्ग और पड़ावों पर अस्थाई अस्पताल स्थापित कर स्वास्थ्य सेवायें उपलब्ध कराई जायेंगी। प्रत्येक मुख्य पढ़ाव व उप पढ़ाव पर चौबीस घंटे चिकित्सक एवं मेडिकल स्टॉफ उपलब्ध रहेंगे एवं श्रद्धालुओं के लिए आकस्मिक स्वास्थ्य व्यवस्था यहा भर्ती कर उपलब्ध कराई जायेंगी। विभाग द्वारा चिकित्सक एवं मेडिकल स्टॉफ को निरन्तर उपलब्ध रहकर यात्रियों को पंचक्रोशी यात्रा में ही सतत् स्वास्थ्य सुविधायें कराने के लिए जवाबदेही सौंपी गई है।

महावीर जयन्ती पर 'अंकितग्राम', सेवाधाम आश्रम में नवकार मंत्रों के साथ विशेष भोजन का आयोजन हुआ

उज्जैन। अंकितग्राम', सेवाधाम आश्रम में महावीर जयन्ती के उपलक्ष में भव्य दर्शनीय महावीर प्रतिमा पर पुष्प सज्जा की गई। 21 दीपको से आरती सायंकाल कर आश्रम के विशेष बच्चों एवं बुजुर्गों ने नवकार मंत्र का जाप किया। इस अवसर पर आश्रम संस्थापक सुधीर भाई गोयल, श्रीमती कांता भाभी, गोरी दीदी एवं मोनिका दीदी ने बच्चों एवं बुजुर्गों को विशेष भोजन परोसा एवं जीवदया अंतर्गत गौ सेवा की।

भगवान महावीर के सूत्र वाक्य जिसने दुःखियों को पहचाना उसने मुझे पहचाना को चरितार्थ करते हुए महावीर स्वामी की करुणा, दया, प्रेम, अहिंसा और मानवता की सेवा का जीवंत तीर्थ है अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम जहां अनेक व्याधियों से ग्रसित हंसते मुस्कुराते स्वालम्बी बन रहे है।

इस अवसर पर इन्दौर निवासी रमेश टोंग्या द्वारा बहू पलक के जन्म दिवस पर केक कप भी वितरित किए गए।

भगवान हाटकेश्वर की जयंती मनाएगा नागर ब्राह्मण समाज

उज्जैन। आज हाटकेश्वर जयंती पर निकालेगा चल समारोह नागर ब्राह्मण समाज मनाएगा उत्साह से कुलदेवता की जयंती, महिलाएं पीत वस्त्र एवं पुरुष श्वेत परिधान में होगे शामिल मध्य प्रदेश नागर ब्राह्मण परिषद शाखा उज्जैन के तत्वावधान में आज 11 अप्रैल शुक्रवार को नागर समाज अपने कुलदेवता भगवान हाटकेश्वर जयंती पूजन अभिषेक, चल समारोह, वृद्धजनों के सम्मान एवं प्रतिभाओं के सम्मान के साथ मनाई जाएगी। शाखा उज्जैन के अध्यक्ष भूपेंद्र त्रिवेदी, महिला शाखा अध्यक्ष प्रीति शर्मा और युवा अध्यक्ष अमित नागर ने बताया कि उक्त कार्यक्रम समाज की उर्दुपुरा धर्मशाला, हाटकेश्वर देवालय बंबाखाना, हाटकेश धाम हरसिद्धिपाल स्थित हाटकेश्वर मंदिर पर पूजन अभिषेक किया जाएगा।

शहर कांग्रेस ने किया महावीर जयंती चल समारोह का स्वागत

उज्जैन। शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मुकेश भाटी के नेतृत्व में महावीर जयंती पर्व के अवसर पर आयोजित चल समारोह में शामिल आचार्य गुरुवर एवं जैन मुनियों का स्वागत किया गया।

भगवान महावीर स्वामी की पालकी एवं वेदीजी को प्रणाम कर समिति संयोजक एवं वरिष्ठजनों को साफा पहनाकर पुष्पमालाएं पहनाई। संगठन मंत्री अजय राठौर ने बताया कि इस अवसर पर पूर्व सांसद सत्यनारायण पवार, नेता प्रतिपक्ष डॉ रवि राय, वरिष्ठ पार्षद माया राजेश त्रिवेदी, अभिषेक लाला, वीरेंद्र गोसर, दीपेश जैन, हिमांशु शर्मा, राजेश राणा, वरुण शर्मा, ललित मीणा, मुजीब सुपारी, पूर्व पार्षद देवव्रत यादव, सुनील कछवाय, महिला कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया ठाकुर, असरार मामू आदि मौजूद रहे।

5100 लड्डूओं से शहरवासियों का मुँह मीठा कराया गया

उज्जैन। जैन सोश्यल ग्रुप सार्थक द्वारा महावीर जन्मकल्याणक के वरघोड़े का भव्य स्वागत किया गया। फवारा चौक पर एक विशाल मंच बनाकर ग्रुप सदस्यों द्वारा जैन भजनो के माध्यम से, पुष्पवर्षा कर एवं वरघोड़े में शामिल मंडलो का बहुमान कर सभी का अभिनंदन किया गया। ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष अमित कावड़िया द्वारा 5100 लड्डूओं से शहरवासियों का मुँह मीठा कराया गया। वरघोड़े में शामिल उज्जैन उत्तर विधायक अनिल जैन कलुहेड़ा, मनीष कोठारी, अश्विन मेहता, संजय जैन खलीवाला, डॉ संजीव जैन आदि समाजजनों का मंच पर स्वागत किया गया। संस्था की महिला विंग द्वारा संगिनी संस्थापक अध्यक्ष प्रीति कावड़िया के सानिध्य के परमात्मा के स्वागत में भव्य गवली बनाकर कर वंदना की। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष राजेश पटनी, सचिव आशीष पीपाड़ा, पूर्व अध्यक्ष संजय सूर्या, हेमंत कासलीवाल, शैलेंद्र जैन आदि पदाधिकारी मौजूद थे। जानकारी संस्था उपाध्यक्ष आशीष नांदेचा ने दी।

शासकीय संस्कृत महाविद्यालय में हुआ वार्षिकोत्सव का पुरस्कार वितरण समारोह

उज्जैन। शासकीय संस्कृत महाविद्यालय में वार्षिकोत्सव का पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम समन्वयक डॉ. यश शर्मा ने बताया कि वार्षिकोत्सव में साहित्यिक, सांस्कृतिक और क्रीड़ा की विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किये गये। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. विजय कुमार सीजी मेनन थे। उन्होंने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत की प्रतिष्ठा के आधार संस्कृत और संस्कृति हैं। संस्कृत पढ़ने वाले विद्यार्थी भारतीय संस्कृति के ध्वजवाहक हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि संस्कृत के साथ रोजगार की अपार सम्भावनाएं जुड़ी हैं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा, उज्जैन संभाग के अतिरिक्त संचालक डॉ. एच. एल. अनिजवाल ने अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय शिक्षा 2020 का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा को यदि जानना है तो उसका सशक्त माध्यम केवल संस्कृत है। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में प्राचार्य डॉ. सीमा शर्मा ने पुरस्कृत विद्यार्थियों का अभिनन्दन किया साथ ही उन्होंने उपस्थित अतिथियों को महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित 'भारतीय ज्ञान परम्परा के विविध आयाम' नामक पुस्तक भी भेंट की। महाविद्यालय के सर्वोत्कृष्ट विद्यार्थी का पुरस्कार शास्त्री तृतीय वर्ष के छात्र अक्षय अवस्थी को प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्रेयस कोरान्ने और आभार प्रदर्शन डॉ. दुर्गाशंकर अग्निहोत्री ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ. सदानंद त्रिपाठी, डॉ. भवानीशंकर भारती, डॉ. गणेश प्रसाद द्विवेदी, डॉ. मनीष पंवार, डॉ. महिमा शास्त्री, डॉ. जय कुमार, डॉ. कंचन तिलवानी, रमाशंकर कोल, सुरितराम ध्रुव, रामप्रसाद पँवार, शिवांश शुक्ला, आदित्य पंड्या, नीता पंड्या, शैलेश दुबे आदि महाविद्यालय के स्टाफ सदस्य और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जज़्बा का निःशुल्क समर कैंप 27 अप्रैल से 1 जून तक

उज्जैन। अपनी सामाजिक और शैक्षणिक गतिविधियों के क्रम में जज़्बा सोशल फाउंडेशन, उज्जैन तालीम हासिल कर रहे बच्चों के लिए निःशुल्क तालीमी समर कैंप का आयोजन करने जा रहा है। गर्मियों की छुट्टियों में 27 अप्रैल 2025 से 1 जून 2025 तक जामा मस्जिद स्कूल छत्री चौक में लगने वाले इस समर कैंप में कक्षा छठी से बारहवीं तक के छात्र-छात्राएं निःशुल्क रूप से शिक्षा, व्यवहारिक ज्ञान हासिल कर सकेंगे। यह कैंप एक माह के लिए होगा।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com